



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 365]
No. 365]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 18, 2003/चैत्र 28, 1925
NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 18, 2003/CHAITRA 28, 1925

पर्यावरण और वन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 2003

का.आ. 445(अ).—केन्द्रीय सरकार, वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53), की धारा 63 के साथ पठित धारा 40क की उपधारा (1) और उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :—

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वन्यजीव धन घोषणा नियम, 2003 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को लागू होंगे।

2. परिभाषाएं :—

इन नियमों में जबतक अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” से वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53) अभिप्रेत है ;

(ख) “प्ररूप” से इन नियमों के साथ संलग्न प्ररूप अभिप्रेत है ;

(ग) अन्य सभी शब्दों और पदों के जो इन नियमों में प्रयुक्त हुए हैं वही अर्थ है जो अधिनियम में है।

3. अधिसूचना के आशय का प्रचार और आवेदन करने में सहायता :—

(1) मुख्य वन्यजीव वार्डन या इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी इस अधिसूचना के आशय का इलेक्ट्रॉनिक मीडिया या प्रिंट मीडिया या ऐसे ही अन्य माध्यम से प्रादेशिक भाषा में व्यापक प्रचार करवाएगा।

(2) मुख्य वन्यजीव वार्डन या इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी स्थानीय समुदायों और व्यक्तियों को, विशेषकर निर्धन और अशिक्षितों को, उनके कब्जे की घोषणा में सहायता करने के लिए, विनिर्दिष्ट प्ररूप को भरने के लिए और उससे संबद्ध किसी अन्य विषय के लिए आवश्यक कार्यवाई करेगा तथा यह सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक प्रयास करेगा कि पशुओं से सहयुक्त कोई व्यक्ति या समुदाय इस अवसर से वंचित न रह जाए।

4. आवेदन फाइल करने की प्रक्रिया :—

(1) मुख्य वन्यजीव वार्डन या इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी को किया गया आवेदन आवेदक द्वारा इन नियमों के साथ संलग्न प्ररूप में या तो व्यक्तिगत रूप से या किसी अभिकर्ता के द्वारा या सम्यक् रूप से प्राधिकृत विधि व्यवसायी द्वारा किया जाएगा या मुख्य वन्यजीव वार्डन या इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी, जो संबद्ध राज्य या संघ राज्य क्षेत्र का है, को संबंधित रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा भेजा जाएगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन आवेदन इन नियमों के प्रकाशन की तारीख से एक सौ अस्सी दिन की अवधि के भीतर चार पूर्ण सैटों में प्रस्तुत किया जाएगा।

(3) आवेदक अपने आवेदन के साथ अभिस्वीकृति पत्ती, जैसी प्ररूप में दी गई है, संलग्न कर सकेगा और प्रस्तुत कर सकेगा जो मुख्य वन्यजीव वार्डन या इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी की ओर से आवेदन की प्राप्ति की अभिस्वीकृति में आवेदन प्राप्त करने वाले कर्मचारी द्वारा हस्ताक्षरित की जाएगी।

5. आवेदनों का प्रस्तुतिकरण और उनकी जांच,—

(1) मुख्य वन्यजीव वार्डन या इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी प्रत्येक आवेदन पर वह तारीख पृष्ठांकित करेगा जिसको यह प्रस्तुत किया गया है या उस नियम के अधीन प्रस्तुत किया गया समझा गया है और पृष्ठांकन पर हस्ताक्षर करेगा।

(2) यदि जांच करने पर आवेदन सही पाया जाता है तो यह सम्यक् रूप से रजिस्ट्रीकृत किया जाएगा और इसे क्रम संख्यांक दिया जाएगा।

(3) यदि जांच करने पर आवेदन त्रुटिपूर्ण पाया जाता है तो उसे आवेदक को पंद्रह दिन के भीतर त्रुटियों को ठीक करने के लिए और उसकी प्राप्ति की तारीख से पंद्रह दिन के भीतर ठीक किए गए आवेदन को पुनः प्रस्तुत करने के लिए वापस कर दिया जाएगा।

(4) यदि आवेदक उपनियम (3) के अधीन अनुज्ञात समय के भीतर त्रुटि को ठीक करने में असफल रहता है तो मुख्य वन्यजीव वार्डन या इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी, आदेश द्वारा और लेखबद्ध किए गए कारणों से, आवेदन को रजिस्टर करने से इंकार कर सकेगा।

6. आवेदन फाइल करने का स्थान,—

आवेदक मुख्य वन्यजीव वार्डन या इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी के पास आवेदन फाइल करेगा।

7. सुनवाई की तारीख और स्थान का अधिसूचित किया जाना,—

मुख्य वन्यजीव वार्डन या इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी पक्षकारों को प्रत्येक आवेदन की सुनवाई की, यदि आवश्यक हो, तारीख, स्थान और समय अधिसूचित करेगा।

8. आवेदनों पर विनिश्चय,—

(1) मुख्य वन्यजीव वार्डन या इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी आवेदन में उल्लिखित तथ्यों का सत्यापन करेगा और ऐसी जांच करेगा जो आवश्यक हो।

(2) मुख्य वन्यजीव वार्डन, जहां तक संभव हो, आवेदन को उसके प्रस्तुत करने की तारीख से छह मास के भीतर विनिश्चित करेगा और आवेदक को लिखित रूप में अपने हस्ताक्षर सहित रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा उसकी संसूचना देगा।

9. आवेदन की एकपक्षीय सुनवाई,—

जहां आवेदन की सुनवाई के लिए नियत तारीख पर आवेदक बिना सूचना दिए उपसंजात होने में असफल रहता है, वहां मुख्य वन्यजीव वार्डन या इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी अपने विवेक पर आवेदन को एकपक्षीय रूप में स्थगित या विनिश्चित कर सकेगा।

10. मुख्य वन्यजीव वार्डन या प्राधिकृत अधिकारी द्वारा जांच,—

(1) मुख्य वन्यजीव वार्डन या इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी विस्तृत जांच करेगा और अधिनियम की धारा 41 में यथाउपबंधित सभी कार्रवाई करेगा।

(2) इस नियम के उपनियम (1) से संबंधित रिपोर्ट की एक प्रति आवेदक को उपलब्ध कराई जाएगी।

11. स्वामित्व प्रमाणपत्र,—

(1) मुख्य वन्यजीव वार्डन ऐसे आवेदक को स्वामित्व प्रमाणपत्र देगा जिसका दावा विधिमान्य पाया जाता है।

(2) स्वामित्व प्रमाणपत्र अधिनियम की धारा 42 के उपबंधों के अनुसार प्रदान किया जाएगा।

(3) स्वामित्व प्रमाणपत्र में पहचान चिन्ह की प्रतिकृति अंतर्विष्ट होगी और जीवित पशु के मामले में लगाए गए ट्रांसपोंडर (माइक्रोचिप) का पहचान संख्यांक प्रमाणपत्र में उल्लिखित किया जाएगा।

12. घोषित वस्तुओं के साथ व्यवहार,—

धारा 40क की उपधारा (1) के अधीन घोषित कोई बंदी पशु, पशु वस्तु, द्राफी या असंसाधित द्राफी और उसकी बाबत जिसके संबंध में स्वामित्व प्रमाणपत्र अनुदत्त या अभिप्राप्त नहीं किया गया है, सरकारी संपत्ति समझा जाएगा।

13. आदेश पर हस्ताक्षर किया जाना और तारीख डालना,—

मुख्य वन्यजीव वार्डन का प्रत्येक आदेश लिखित रूप में होगा और मुख्य वन्यजीव वार्डन द्वारा हस्ताक्षर किया जाएगा तथा उस पर तारीख डाली जाएगी।

14. पक्षकारों को आदेश की संसूचना,—

आदेश पर पारित प्रत्येक आदेश आवेदक को या तो व्यक्तिगत रूप से या निःशुल्क रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा संसूचित किया जाएगा।

[फा. सं. 1-1/2003 वन्यजीव-1]

एम.के. शर्मा, वन महानिदेशक एवं विशेष सचिव

प्रारूप

वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 40क के अधीन स्वामित्व प्रमाणपत्र के लिए आवेदन

सेवा में,

मुख्य वन्यजीव वार्डन अथवा प्राधिकृत अधिकारी
..... राज्य अथवा संघ शासित प्रदेश
.....

(i) मैं

(कुल नाम)	(पहला नाम)	(मध्य नाम)
पुत्र/पुत्री
(कुल नाम)	(पहला नाम)	(मध्य नाम)

वर्तमान में

मकान सं० तालुक जिला

राज्य (पिनकोड) पर निवास कर रहा/रही हूँ और मेरा स्थायी आवास

मकान सं० तालुक जिला

राज्य (पिनकोड) है,

घोषणा करता हूँ कि मैं, वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची-1 या अनुसूची-2 के भाग-2 में विनिर्दिष्ट बन्दी पशु और/अथवा बंदी अवस्था में उत्पन्न झुत्तकी सन्तति, पशु से व्युत्पन्न पशुओं से बनी वस्तु/द्राफी/ असंसाधित, द्राफी(जो लागू न हो उसे काट दें) पर नियंत्रण, अभिरक्षा अथवा कब्जा रखता हूँ जिनका ब्यौरा निम्न प्रकार है :-

1. पशु की प्रजाति का सामान्य नाम :
2. प्राणि वैज्ञानिक नाम (सुष्ठु प्रजाति का, यदि कोई हो, उल्लेख करें) :
3. वस्तु का वर्णन :
4. वस्तु की दशा का उल्लेख करें (सामने, दाएं और बाएं पार्श्व चित्रों सहित चार रंगीन फोटोग्राफ 8"x 6" आकार की और एक पूरा फोटोग्राफ उपलब्ध कराएं)
5. वस्तुओं की संख्या :
6. प्राप्ति का ढंग : क्रय/दान/विरासत/कोई अन्य ढंग विनिर्दिष्ट करें
7. प्राप्ति की तारीख :

8. व्यक्ति/संस्था का नाम जिससे प्राप्त किया है :
9. उपरोक्त (6) में निर्दिष्ट व्यक्ति/संस्था का पता :
10. आकार (मीटर/सेंटीमीटर में) :
 - (1) लंबाई :
 - (2) चौड़ाई :
 - (3) ऊँचाई :
11. भार (किलोग्राम/ग्राम में) :
12. कोई विशिष्ट चिन्ह, जो वस्तु की पहचान करने में मदद कर सके :
13. जीवित पशुओं के मामले में आयु और लिंग का उल्लेख करें :
- (ii) मैं घोषणा करता हूँ कि उपरोक्त निर्दिष्ट बंदी पशु/वस्तु को निम्नलिखित पते पर रखा, भंडारित या अनुरक्षित किया गया है :

.....

(iii) मैं घोषणा करता हूँ कि उपरोक्त निर्दिष्ट बंद पशु/वस्तु, विधिमाम्य माध्यम से मेरे द्वारा अर्जित की गई है किन्तु वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 40 की उपधारा (1) या उपधारा (4) के अधीन मेरे द्वारा घोषणा नहीं की गई है।

(iv) मैं यह भी घोषणा करता हूँ कि मैंने वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 40क, धारा 42 और धारा 43 के उपबंधों को पढ़ व समझ लिया है और उल्लेख करता हूँ कि उपरोक्त को उत्तराधिकार के माध्यम के सिवाय किसी भी अन्य ढंग से अन्य किसी को स्थानांतरित नहीं किया जाएगा।

(v) मैं, प्रत्येक वस्तु पर पहचान चिन्ह लगाने के लिए और बंदी पशु के मामले में ट्रांसपोर्ट के लिए अपनी सहमति देता हूँ और आवश्यक करता हूँ कि चिन्ह अथवा ट्रांसपोर्ट को मिटाया, बदला अथवा नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा और चिन्ह को किसी नुकसान, परिवर्तन अथवा बदलने की अवस्था में, मैं चौबीस घंटे के भीतर सक्षम प्राधिकारियों को सूचित करूंगा।

मैं घोषणा करता हूँ कि ऊपर दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही है।

स्थान :

घोषणा करने वाले व्यक्ति के हस्ताक्षर

तारीख :

(नाम)

अभिस्वीकृति पत्र

श्री/श्रीमती

द्वारा फाइल आवेदन की अभिस्वीकृति, जो इस

समय

..... (पूर्ण पता और टेलीफोन नम्बर) पर रह रहे हैं,

..... कार्यालय में की जाती है।

कार्यालय मोहर

हस्ताक्षर

MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th April, 2003

S. O. 445(E).— In exercise of the powers conferred by sub - sections (1) and (3) of section 40A read with section 63 of the Wild Life (Protection) Act, 1972 (53 of 1972), the Central Government hereby makes the following rules, namely: -

1. Short title and commencement. —

(1) These rules may be called the Declaration of Wild Life Stock Rules, 2003.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions. --

In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) “Act” means the Wild Life (Protection) Act, 1972 (53 of 1972);

(b) “Form” means the form annexed to these rules;

(c) all other words and expressions used in these rules shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

3. Publicity of intent of notification and Assistance in making application.-

(1) The Chief Wildlife Warden or the officer authorized by the State Government in this regard shall cause to give wide publicity to the intent of this notification in the regional language through electronic or print media or such other means.

(2) The Chief Wildlife Warden or the officer authorized by the State Government in this regard shall take necessary action to assist the local communities and individuals especially the poor and illiterate in the declaration of their possession, filling up the specified form and any other matter connected therewith and shall make every attempt to ensure that no individual or community associated with animals is deprived of this opportunity.

4. Procedure for filing applications.-

- (1) An application to the Chief Wildlife Warden or the officer authorized by the State Government in this regard shall be presented in the Form annexed to these rules by the applicant either in person or by an agent or by duly authorized legal practitioner or sent by registered post addressed to the Chief Wild Life Warden or the officer authorized by the State Government in this regard of the concerned State or the Union territory.
- (2) The application under sub rule (1) shall be presented in four complete sets within a period of one hundred and eighty days from the date of publication of these rules.
- (3) The applicant may attach to and present with his application an acknowledgement slip as is given in the Form which shall be signed by the official receiving the application on behalf of the Chief Wild Life Warden or the officer authorized by the State Government in this regard in acknowledgement of the receipt of the application.

5 Presentation and scrutiny of applications.-

- (1) The Chief Wildlife Warden or the officer authorized by the State Government in this regard shall endorse on every application the date on which it is presented or deemed to have been presented under that rule and shall sign the endorsement.
- (2) If on scrutiny, the application is found to be in order, it shall be duly registered and given serial number.
- (3) If the application, on scrutiny, is found to be defective, the same shall be returned to the applicant within fifteen days for rectifying the defects and resubmitting the corrected application within fifteen days from the date of its receipt.
- (4) If the applicant fails to rectify the defect within the time allowed under sub-rule (3), the Chief Wild Life Warden or the officer authorized by the State Government in this regard may, by order and for the reasons to be recorded in writing, decline to register the application.

6 Place of filing application.-

The applicant shall file application with the Chief Wild Life Warden or the officer authorized by the State Government in this regard.

7 Date and place of hearing to be notified.-

The Chief Wild Life Warden or the officer authorized by the State Government in this regard shall notify to the parties the date, place and time of hearing of each application, if required.

8 Decision on applications.-

(1) The Chief Wild Life Warden or the officer authorized by the State Government in this regard shall verify the facts mentioned in the application and make such inquiry as may be required.

(2) The Chief Wild Life Warden shall, as far as possible, decide the application within six months of the date of its presentation and communicate the same to the applicant in writing under his own signature by registered post.

9 Hearing on application ex-parte.-

Where on the date fixed for hearing the application, the applicant fails to appear without intimation, the Chief Wild Life Warden or the officer authorized by the State Government in this regard may at their discretion adjourn or decide the application ex-parte.

10 Inquiry by the Chief Wild Life Warden or Authorized Officer.-

(1) The Chief Wild Life Warden or the officer authorized by the State Government in this regard shall conduct a detailed inquiry and take all actions as provided in section 41 of the Act.

(2) A copy of the report pertaining to sub-rule (1) of this rule, shall be provided to the applicant.

11 Certificate of ownership.-

- (1) The Chief Wild Life Warden shall provide a certificate of ownership to the applicant whose claim is found valid.
- (2) The certificate of ownership shall be provided as per the provisions of section 42 of the Act.
- (3) The certificate of ownership shall contain the facsimile of the identification mark and in case of live animals the identification number of the transponder (microchip) implanted shall be mentioned in the certificate.

12 Dealing with declared objects.-

Any captive animal, animal article, trophy or uncured trophy declared under sub section (1) of section 40 A and in respect of which certificate of ownership has not been granted or obtained, shall be treated as government property.

13 Order to be signed and dated.-

Every order of the Chief Wild Life Warden shall be in writing and shall be signed and dated by the Chief Wild Life Warden.

14 Communication of order to parties.-

Every order passed on the application shall be communicated to the applicant either in person or by registered post free of cost.

[F. No. 1-1/2003 WL-I]

M. K. SHARMA, Director General of Forests and Spl. Secy.

FORM

APPLICATION UNDER SECTION 40A OF WILD LIFE PROTECTION ACT, 1972 FOR CERTIFICATE OF OWNERSHIP

To

The Chief Wildlife Warden or the Authorized Officer
State or Union Territory of.....

(i) I,,
(Surname) (First Name) (Middle Name)

son/ daughter of,

(Surname) (First Name) (Middle Name)

presently residing at House

NumberTaluk.....District.....

State.....(PIN Code).....and having

permanent residence at House

No.....Taluk.....

District.....State.....(PIN

Code).....

hereby declare that I am in control, custody or possession of captive animal and/or its offspring bred in captivity/animal article/trophy/uncured trophy/derived from animal (strike out whichever is not applicable) specified in Schedule 1 or Part II of Schedule II of the Wildlife (Protection) Act, 1972 having following description :-

1. Common name of the animal species :
2. Zoological name (Mention sub-species, if any) :
3. Description of the item :
4. State the condition of the item (provide four color photographs of size 8"x 6" covering front, left and right profiles and a full photograph) :
5. Number of item :
6. Method of procurement: Purchase/gift/inheritance/any other mode specify
7. Date of procurement :
8. Name of person/institution from whom obtained :
9. Address of person/institution referred to in (6) above :
10. Size (in meters/cms) :
- (i) Length :
- (ii) Width :
- (iii) Height :
11. Weight (in Kgs./gms) :
12. Any specific mark that can help in identification of the item. :
13. Mention the age and sex in case of live animals. :

- (ii) I hereby declare that the above referred captive animal / item has been kept, stored or maintained at the following address

.....

- (iii) I hereby declare that the above referred captive animal / item was acquired by me through legal means but no declaration has been made by me under sub-section (1) or sub-section (4) of section 40 of the Wild Life (Protection) Act, 1972.
- (iv) I further declare that I have read and understood the provisions contained in sections 40A, 42 and 43 of the Wild Life (Protection) Act, 1972 and state that the above shall not be transferred to anyone by any mode except by way of inheritance.
- (v) I hereby give my consent for fixing an identification mark to each item and transponder in case of captive animal and assure that the mark or transponder will not be erased, altered or damaged and in the event of any damage, alteration or change of the mark, I shall inform the competent authority within twenty four hours.

I do hereby declare that the information given above is true to the best of my knowledge and belief.

Place :

Signature of the person making the declaration

Date :

(Name)

Acknowledgement Slip

Receipt of the application filed by Shri/ Smt / ----- presently residing at ----- (Full Address and Telephone Number) ----- in the Office of the ----- is hereby acknowledged



Signature

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 2003

का.आ. 446(अ).— केन्द्रीय सरकार, वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की (1972 का 53) धारा 58ड की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ऐसे सभी अधिकारियों को, जो पुलिस उप महानिरीक्षक की पंक्ति से नीचे के न हों, उक्त अधिनियम की धारा 58ड की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[फा. सं. 1-1/2003 वन्यजीव-I]

एम.के. शर्मा, वन महानिदेशक एवं विशेष सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th April, 2003

S. O. 446(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 58E of the Wild Life (Protection) Act, 1972 (53 of 1972), the Central Government hereby authorizes all the officers not below the rank of a Deputy Inspector General of Police to exercise the powers of section 58E of the said Act.

[F. No. 1-1/2003 WL-I]

M. K. SHARMA, Director General of Forests and Spl. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 2003

का.आ. 447(अ).— केन्द्रीय सरकार, वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की (1972 का 53) धारा 54 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेशक, वन्यजीव संरक्षण और सहायक निदेशक वन्यजीव संरक्षण को उस सरकार के लिए तथा राज्य सरकार के मामले में मुख्य वन्यजीव वार्डन और ऐसे सभी अधिकारियों को जो उप वन संरक्षक की पंक्ति से नीचे के न हों, उक्त अधिनियम की धारा 54 के निबंधनानुसार में शक्तियों का प्रयोग करने के लिए सशक्त करती है।

[फा. सं. 1-1/2003 वन्यजीव-I]

एम.के. शर्मा, वन महानिदेशक एवं विशेष सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th April, 2003

S. O. 447(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 54 of the Wild Life (Protection) Act, 1972 (53 of 1972), the Central Government hereby empowers the Director of Wild Life Preservation and Assistant Director, Wild Life Preservation for that Government and in case of a State Government, the Chief Wild Life Warden and all officers not below the rank of the Deputy Conservator of Forests to exercise the powers in terms of section 54 of the said Act.

[F. No. 1-1/2003 WL-I]

M. K. SHARMA, Director General of Forests and Spl. Secy.